>

Title: Need to ban cultivation of tobacco.

डॉ. प्रभा किशोर तावियाड (दाहोद): सभापति महोदय, मैं आपकी बहुत ही आभारी हूं कि आपने मुझे इस महत्वपूर्ण पाइंट को उठाने का अवसर दिया है। मैं श्रीमती सुषमा जी का सम्मान करती हूं कि वह सुबह टोबैको के विरोध में बोल रही थी। देश के चार उच्च पदों पर - राष्ट्रपति महोदया, अध्यक्ष महोदया, यू.पी.ए. की चेयरपरसन श्रीमती सोनिया गांधी और नेता प्रतिपक्ष श्रीमती सुषमा स्वराज सभी महिलायें हैं। जो सुषमा जी ने बात उठायी है, मैं थोड़ा उसमें कुछ जोड़ना चाहती हूं.। मैं बी.जे. मैडिकल कालेज, अहमदाबाद के सिविल हॉस्पीटल में आठ साल तक गायनेकोलॉजिस्ट रही हूं। उस कैम्पस में एम.पी.शाह कैंसर अस्पताल भी है। उस हास्पीटल में हमने ऐसे कैंसर के पेशंट्स देखे हैं। मैं श्रीमती सुषमा से फुली एग्री करते हुये यह बताना चाहती हूं कि जिस तरह से टोबैको पर पब्लिक में बैन है, आप स्मोक नहीं कर सकते, इसी तरह से टोबैकों के कल्टिवेशन पर बैन लगाना चाहिये। जिस तरह से मौरफीन पर बैन लगाया हुआ है, और अगर कोई किसान उसे उगाना चाहता है तो उसे लाईसैंस लेना पड़ता है। इसी तरह से मेरा पाइंट है कि टोबैको ग्रोईंग इज़ डन बाई फारमर्स जो कड़ाना और नर्मदा डैम के कमांड ऐरिया में इरिगेशन लैंड है, उसमें टोबैको का कल्टिवेशन होता है। मेरी आपसे गुजारिश है कि यहां जो कल्टिवेशन इतने समय से होती है, उस पर बैन लगाए ।

जहां एक साल में तीन धान की फसलें होती हैं। टोबेको का कल्टीवेशन होता है तो एक ही फसल साल में ले पाते हैं। पीने के पानी के लिए, इरीगेशन के पानी के लिए जो ट्राइबल बेल्ट तरस रहा है, उसकी हमारी एक फाईल गुजरात सरकार के पास पड़ी है। अगर वह फाईल सेंट्रल गवर्नमेंट के पास आ जाये तो 90 और 10 के रेश्यो से गुजरात गवर्नमेंट को प्रोजेक्ट मिल जाये और हमें पानी मिल जाये।

महोदय, आपने हमें बोलने का मौका दिया, हमें अपनी आवाज उठाने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपकी बहुत आभारी हूं। वापस मैं फिर से सुषमा जी का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद देती हूं।

सभापति महोदय : आप धन्यवाद तो बहुत अच्छी तरह देती हैं, लेकिन चेयर की बात नहीं मानती हैं।